उत्तराखण्ड
पर्यटन

प्रेस विज्ञप्ति

पर्यटन विभाग के रिक्त पदों पर जल्द होगी भर्ती

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की 21वीं बोर्ड बैठक में लिया गया निर्णय

देहरादून 08 नवंबर, 2021। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी), गढ़ी कैंट स्थित आईएचएम के सभागार में हुई 21वीं बोर्ड बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर मंजूरी दी गई। बीते साल देश-दुनिया में फैले कोरोना वायरस को रोकने के लिए देश में लगाए लॉकडाउन में हुए नुकसान को देखते हुए माह मार्च 2020 से 30 जून 2021 तक पी0पी0पी0 मोड़ पर राज्य में संचालित की जा रही विभिन्न परिसम्पतियों के संचालकों के द्वारा निर्धारित किये गये शुल्क को माफ करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही यूटीडीबी) में 51 रिक्त पदों को भरने के लिए जल्द भर्ती प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज ने 21वीं बोर्ड बैठक के बाद कहा कि आने वाले समय में उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों की संख्या को दोगुना करने के लिए उत्तराखंड पर्यटन विभाग प्रतिबद्ध है। इसको ध्यान में रखते हुए विभाग इंटरनेशनल ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) जैसे प्रमुख ट्रेवल इवेंट्स में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेता है। जबकि धार्मिक पर्यटन के साथ शीतकालीन पर्यटन और साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड पर्यटन की ओर से जिला प्रशासन के साथ मिलकर नैनीताल, भीमताल, पंगोट, मसूरी समेत कई स्थानों पर विंटर कार्निवाल आयोजित किए जाने हैं। इसके अलावा राज्य में साहसिक पर्यटन की गतिविधियों को नियंत्रित करने हेतु पूर्व में विज्ञापित राफ्टिंग एवं पैरामोटर नियमावली के अतिरिक्त उत्तराखंड जल क्रीडा पॉलिसी, ट्रेकिंग रूल्स, पैरामोटर रूल्स तैयार किये जा रहे हैं। उत्तराखंड राज्य में पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने एवं स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार उपलब्ध कराये जाने की दृष्टिगत उत्तराखंड पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन कैरवान या मोटर हाउस की पहचान दिये जाने हेतु कैरवानिंग नीति तैयार की गयी है। जिसके अन्तर्गत राज्य में आने वाले पर्यटकों के लिए कैरवानिंग वाहन पार्किंग हेतु राज्य में विभिन्न स्थानों पर सुविधाएं विकसित की जायेंगी।

श्री दिलीप जावलकर, सचिव पर्यटन ने 21वीं बोर्ड बैठक के बाद कहा कि पर्यटन मंत्री की ओर से दिए गए निर्देशों पर गहनता से पालन किया जाएगा। बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णयों से उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सचिव पर्यटन ने बताया कि इस मौके पर 20वीं बोर्ड बैठक में लिए गए फैसलों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में अपर सचिव पर्यटन श्री युगल किशोर पंत, नरेन्द्र भण्डारी एमडी केएमवीएन, नेहा वर्मा अपर सचिव वन एवं पर्यावरण, अतर सिंह अपर सचिव पीडब्लूडी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक पर्यटन) कर्नल अश्विनी पुंडीर, प्रकाश जोशी उप सचिव ऊर्जा, दीप्ति मिश्रा, उपसचिव वित (प्रतिनियुक्ति),

निदेशक वित्त श्री जगत सिंह चौहान, निदेशक अवस्थापना ले0 कर्नल दीपक खंडूरी, अपर निदेशक श्रीमती पूनम चंद, अपर निदेशक श्री विवेक सिंह चौहान, उपनिदेशक श्री योगेंद्र कुमार गंगवार, वरिष्ठ शोध अधिकारी श्री सुरेंद्र सिंह सामन्त, श्री बसंत सिंह बिष्ट (ऑनलाईन) गैर सरकारी सदस्य, श्रीमती उत्तरा बंसल गैर सरकारी सदस्य, मेजर योगेन्द्र यादव सदस्य, मीरा रतूड़ी गैर सरकारी सदस्य, श्री शरद श्रीवास्तव अधीक्षण अभियंता, विपिन चौधरी समीक्षा अधिकारीे स्किल समेत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यटन मंत्री ने की साहसिक शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा

उत्तराखंड में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रामनगर में दिसंबर माह में होने वाले साहसिक शिखर सम्मेलन की तैयारियों की पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज ने सोमवार को गढ़ी कैंट स्थित उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज ने कहा कि इस आयोजन में साहसिक पर्यटन से जुड़े स्थानीय हितधारकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। पर्यटन समिट के आयोजन से भीमताल, ऋषिकेश, रामनगर, उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ समेत अन्य साहसिक पर्यटन गंतव्यों के हित धारकों और टूर ऑपरेटर्स को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में अवस्थापना विकास पर जोर देते हुए स्थानीय युवाओं को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, माउंटनेयरिग, ट्रैकिंग समेत अन्य क्षेत्रों से जुड़ी संस्थाओं से समिट में शिरकत करने का आह्वान किया।